

CHAPTER - III
LEVY AND COLLECTION OF TAX

Section 7 : Levy and collection

- (1) Subject to the provisions of sub-section (2), there shall be levied a tax called the Union territory tax on all intra-State supplies of goods or services or both, except on the supply of alcoholic liquor for human consumption, on the value determined under section 15 of the Central Goods and Services Tax Act and at such rates, not exceeding twenty per cent., as may be notified by the Central Government on the recommendations of the Council and collected in such manner as may be prescribed and shall be paid by the taxable person.
- (2) The Union territory tax on the supply of petroleum crude, high speed diesel, motor spirit (commonly known as petrol), natural gas and aviation turbine fuel shall be levied with effect from such date as may be notified by the Central Government on the recommendations of the Council. .
- (3) The Central Government may, on the recommendations of the Council, by notification, specify categories of supply of goods or services or both, the tax on which shall be paid on reverse charge basis by the recipient of such goods or services or both and all the provisions of this Act shall apply to such recipient as if he is the person liable for paying the tax in relation to the supply of such goods or services or both.
- ¹[(4) The Government may, on the recommendations of the Council, by notification, specify a class of registered persons who shall, in respect of supply of specified categories of goods or services or both received from an unregistered supplier, pay the tax on reverse charge basis as the recipient of such supply of goods or services or both, and all the provisions of this Act shall apply to such recipient as if he is the person liable for paying the tax in relation to such supply of goods or services or both.]
- (5) The Central Government may, on the recommendations of the Council, by notification, specify categories of services the tax on intra-State supplies of which shall be paid by the electronic commerce operator if such services are supplied through it, and all the provisions of this Act shall apply to such electronic commerce operator as if he is the supplier liable for paying the tax in relation to the supply of such services:

1 Sub-section (4) substituted by Union Territory Goods and Services Tax (Amendment) Act, 2018 (33 of 2018) w.e.f. 01-02-2019 by Noti. No. 1/2019-Union Territory Tax, dt. 29-01-2019. Earlier to substitution it read as under;

"(4) The Union territory tax in respect of the supply of taxable goods or services or both by a supplier, who is not registered, to a registered person shall be paid by such person on reverse charge basis as the recipient and all the provisions of this Act shall apply to such recipient as if he is the person liable for paying the tax in relation to the supply of such goods or services or both."

Union Territory Goods and Services Tax Act, 2017

Provided that where an electronic commerce operator does not have a physical presence in the taxable territory, any person representing such electronic commerce operator for any purpose in the taxable territory shall be liable to pay tax:

Provided further that where an electronic commerce operator does not have a physical presence in the taxable territory and also he does not have a representative in the said territory, such electronic commerce operator shall appoint a person in the taxable territory for the purpose of paying tax and such person shall be liable to pay tax.

अध्याय 3 कर का उद्ग्रहण और संग्रहण

धारा 7 : उद्ग्रहण और संग्रहण

- (1) उपधारा (2) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, मानवीय उपभोग के लिए मद्यसारिकपान के प्रदाय को छोड़कर, माल या सेवा या दोनों के सभी अंतरराज्यिक प्रदायों पर केन्द्रीय माल और सेवा कर अधिनियम की धारा 15 के अधीन अवधारित मूल्य पर और बीस प्रतिशत से अनधिक ऐसी दरों पर, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा, परिषद् की सिफारिशों पर अधिसूचित की जाएं, संघ राज्यक्षेत्र कर नामक कर का, ऐसी रीति से जो विहित की जाए, उद्ग्रहण और संग्रहण किया जाएगा और जो कराधेय व्यक्ति द्वारा संदत्त होगा।
- (2) अपरिष्कृत पेट्रोलियम, हाई स्पीड डीजल, मोटर स्पिरिट (जिसे सामान्यतया पेट्रोल के रूप में जाना जाता है), प्राकृतिक गैस और विमानन टर्बाइन ईंधन के प्रदाय पर, संघ राज्यक्षेत्र कर का उद्ग्रहण उस तारीख से किया जाएगा, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा परिषद् की सिफारिशों पर अधिसूचित की जाए।
- (3) केन्द्रीय सरकार, परिषद् की सिफारिशों पर, अधिसूचना द्वारा, माल या सेवाओं या दोनों के प्रदाय के ऐसे प्रवर्ग विनिर्दिष्ट कर सकेगी, जिन पर कर का संदाय, ऐसे माल या सेवाओं या दोनों के प्राप्तिकर्ता द्वारा प्रतिवर्ती प्रभार आधार पर किया जाएगा और इस अधिनियम के सभी उपबंध ऐसे प्राप्तिकर्ता को इस प्रकार लागू होंगे, मानों वह ऐसा व्यक्ति है, जो ऐसे माल या सेवाओं या दोनों के प्रदाय के संबंध में कर के संदाय का दायी है।
- ¹(4) सरकार, परिषद् की सिफारिशों पर, अधिसूचना द्वारा, ऐसे रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों का वर्ग विनिर्दिष्ट कर सकेगी, जो किसी अरजिस्ट्रीकृत प्रदायकर्ता से प्राप्त माल या सेवाओं या दोनों के विनिर्दिष्ट प्रवर्गों के प्रदाय के संबंध में माल या सेवाओं या दोनों के ऐसे प्रदाय के प्राप्तिकर्ता के रूप में प्रतिवर्ती प्रभार के आधार पर कर का संदाय करेगा और इस अधिनियम के सभी उपबंध ऐसे प्राप्तिकर्ता को इस प्रकार लागू होंगे मानो वह ऐसा व्यक्ति है जो ऐसे माल या सेवाओं या दोनों के प्रदाय के संबंध में कर का संदाय करने का दायी है।]
- (5) केन्द्रीय सरकार, परिषद् की सिफारिशों पर अधिसूचना द्वारा, सेवाओं के प्रवर्ग विनिर्दिष्ट कर सकेगी, जिसके अंतरराज्यिक प्रदायों पर कर का संदाय इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य प्रचालक द्वारा किया जाएगा, यदि ऐसी सेवाओं का प्रदाय उसके माध्यम से किया जाता है और इस अधिनियम के सभी उपबंध ऐसे इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य प्रचालक को इस प्रकार लागू होंगे मानो वह ऐसा प्रदायकर्ता है जो ऐसी सेवाओं के प्रदाय के संबंध में कर का संदाय करने का दायी है :

परन्तु जहां कोई इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य प्रचालक की कराधेय राज्यक्षेत्र में भौतिक रूप से उपस्थिती नहीं है वहां कराधेय राज्यक्षेत्र में किसी प्रयोजन के लिए ऐसे इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य प्रचालक का प्रतिनिधित्व करने वाला कोई व्यक्ति कर संदाय के लिए दायी होगा :

1 संघ राज्यक्षेत्र माल और सेवा कर (संशोधन) अधिनियम, 2018 (2018 का 33) द्वारा उपधारा (4) प्रतिस्थापित। अधिसूचना क्रमांक 1/2019-संघ राज्यक्षेत्र कर, दिनांक 29.01.2019 द्वारा इसको दिनांक 01.02.2019 से प्रभावशील किया गया। प्रतिस्थापन के पूर्व यह इस प्रकार थी :

"(4) किसी प्रदायकर्ता द्वारा, जो रजिस्ट्रीकृत नहीं है, किसी रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को, कराधेय माल या सेवाओं या दोनों के प्रदाय के संबंध में संघ राज्यक्षेत्र कर का संदाय ऐसे व्यक्ति द्वारा प्राप्तिकर्ता के रूप में प्रतिवर्ती प्रभार के आधार पर किया जाएगा, और इस अधिनियम के सभी उपबंध ऐसे प्राप्तिकर्ता को इस प्रकार लागू होंगे मानो वह ऐसा व्यक्ति है जो ऐसे माल या सेवाओं या दोनों के प्रदाय के संबंध में कर का संदाय करने का दायी है।"

संघ राज्यक्षेत्र माल और सेवा कर अधिनियम, 2017

परन्तु यह और कि जहां कोई इलैक्ट्रोनिक वाणिज्य प्रचालक की कराधेय राज्यक्षेत्र में भौतिक रूप से उपस्थित नहीं है और उसका उक्त राज्यक्षेत्र में कोई प्रतिनिधि भी नहीं है, वहां ऐसा इलैक्ट्रोनिक वाणिज्य प्रचालक, कर संदाय के प्रयोजन के लिए कराधेय राज्यक्षेत्र में किसी व्यक्ति को नियुक्त करेगा और ऐसा व्यक्ति कर के संदाय के लिए दायी होगा।
